# वर्ल्ड लेप्रोस्कोपी हॉस्पिटल

## हिस्ट्रेक्टोमी क्या है?

***हिस्ट्रेक्टोमी गर्भाशय*** को हटाने के लिए सर्जरी है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में महिलाओं के लिए सर्जरी का एक बहुत ही आम प्रकार है। आपके गर्भाशय को निकाला जाता है, जिसका मतलब आप गर्भवती नहीं हो सकते।

## हिस्ट्रेक्टोमी क्यों की जाती है?

हिस्ट्रेक्टोमी महिलाओं के स्वास्थ्य की स्थिति के इलाज के लिए की जाती है। इन परिस्थितियों में से कुछ निम्नलिखित शामिल हैं:

- गर्भाशय ***फाइब्रॉएड*** (हिस्ट्रेक्टोमी के लिए सबसे आम कारण है)
- ***एन्डोमीत्रियोसिस***
- पेल्विक समस्याओं (जैसे ***गर्भाशय के प्रोलाप्स*** )
- असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव
- जीर्ण पैल्विक दर्द
- गायनेकोलोजिक कैंसर

## क्या हिस्ट्रेक्टोमी के विकल्प हैं?

कुछ मामलों में, उन दवाओं या अन्य प्रक्रियाओं का सेवन हिस्ट्रेक्टोमी से पहले किया जा सकता है जिनसे आप अभी या निकट भविष्य में गर्भवती बन सकते हैं। कुछ महिलाएं अपने परिवार पूरा करने तक हिस्ट्रेक्टोमी करने के लिए प्रतीक्षा करती हैं। यदि आप हिस्ट्रेक्टोमी के अलावा कोई और विकल्प चुनते हैं, तो ध्यान रखें कि आपको बाद में अतिरिक्त उपचार की आवश्यकता हो सकती है।

## हिस्ट्रेक्टोमी के दौरान किन संरचनाओं को हटाया जाता है?

हिस्ट्रेक्टोमी के विभिन्न प्रकार हैं:

- पूर्ण हिस्ट्रेक्टोमी - ***गर्भाशय ग्रीवा*** सहित पूरे गर्भाशय को निकाल दिया जाता है।
- सुपरासर्वाइकल हिस्ट्रेक्टोमी (जिसे आधा या आंशिक भी कहा जाता है) - गर्भाशय के ऊपरी भाग निकाल दिया जाता है, लेकिन गर्भाशय ग्रीवा को उसी जगह छोड़ दिया जाता है। हिस्ट्रेक्टोमी के इस प्रकार को केवल लेप्रोस्कोपिक या एब्डोमिनल प्रक्रिया से किया जा सकता है।

- रेडिकल हिस्ट्रेक्टोमी - यह एक पूर्ण हिस्ट्रेक्टोमी है जिसमे गर्भाशय के आसपास की संरचनाओं को हटाना भी शामिल है। अगर कैंसर के निदान या संदिग्ध होने पर इसका सुझाव दिया जा सकता है।

## पूर्ण हिस्ट्रेक्टोमी के दौरान गर्भाशय ग्रीवा और गर्भाशय के अलावा कौनसे अन्य अंगों को हटाया जा सकता है?

एक या दोनों ***अंडाशय*** और ***फैलोपियन ट्यूब*** को हटाया जा सकता है अगर वे असामान्य (उदाहरण के लिए, यदि वे एन्डोमीत्रियोसिस से प्रभावित हैं) हैं। यह प्रक्रिया ***सल्पिंगो-ऊफोरेक्टोमी*** कहलाती है कि अगर दोनों ट्यूब और अंडाशय को हटा दिया जाता है, ***सल्पिन्गेक्टोमी*** अगर सिर्फ फैलोपियन ट्यूब को हटाया जाता है; और ***ऊफोरेक्टोमी*** यदि सिर्फ अंडाशय को निकाला जाता है। आपके सर्जन को सर्जरी के समय तक पता नहीं होता कि अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब को हटा दिया जाएगा। डिम्बग्रंथि के कैंसर या स्तन कैंसर के जोखिम में महिलाएं दोनों अंडाशय को स्वस्थ होने पर भी हटाने का विकल्प चुन सकती हैं। इसे एक वैकल्पिक सल्पिंगो-ऊफोरेक्टोमी कहा जाता है।

## रजोनिवृत्ति होने से पूर्व अंडाशय निकाले जाने पर क्या होगा?

आपको तत्काल ***रजोनिवृत्ति*** के लक्षणों का अनुभव होगा। आपको*ऑस्टियोपोरोसिस* का खतरा भी बढ़ सकता है। रजोनिवृत्ति के लक्षणों को राहत देने के लिए ***हार्मोन थेरेपी*** दिया जा सकता है और यह ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम करने में भी मदद कर सकता है। हार्मोन थेरेपी सर्जरी के बाद तुरंत शुरू की जा सकती है। यदि आप उच्च जोखिम में हैं तो ऑस्टियोपोरोसिस रोकने के लिए अन्य दवाएं भी दी जा सकती हैं।

## हिस्ट्रेक्टोमी करने के अलग अलग तरीके क्या हैं?

हिस्ट्रेक्टोमी को अलग अलग तरीकों से किया जा सकता है: ***योनि के*** माध्यम ***से,*** पेट के माध्यम से, या ***लेप्रोस्कोपी*** के साथ। इसका चुनाव आपके सर्जरी करने के कारण और अन्य कारकों पर निर्भर करेगा। कभी कभी निर्णय सर्जरी के बाद लिया जाता है और सर्जन अन्य समस्याओं की उपस्थिति को देख सकता है।

## योनि हिस्ट्रेक्टोमी कैसे की जाती है?

एक योनि हिस्ट्रेक्टोमी में गर्भाशय योनि के माध्यम से निकाल दिया जाता है। इसमें पेट में कोई चीरा नहीं होता है। सभी महिलाएं योनि हिस्ट्रेक्टोमी करने में सक्षम नहीं होतीं। उदाहरण के लिए, वे महिलाएं जिनमे पिछली सर्जरी से अधेशन हैं या एक बहुत बड़ा गर्भाशय है, हिस्ट्रेक्टोमी करने में सक्षम नहीं होती।

## योनि हिस्ट्रेक्टोमी के लाभ और जोखिम क्या हैं?

योनि हिस्ट्रेक्टोमी में आम तौर पर पेट या लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी से कम जटिलताओं के कारण बनते हैं। ठीक होने का समय पेट की सर्जरी की तुलना में कम होता है, एवं सामान्य गतिविधियों में तेजी से वापसी हो सकती है। यह हिस्ट्रेक्टोमी के लिए पहली पसंद मन जाता है।

## उदर हिस्ट्रेक्टोमी कैसे की जाती है?

एक उदर हिस्ट्रेक्टोमी में गर्भाशय को आपके पेट के निचले हिस्से में एक चीरे के माध्यम से निकाल दिया जाता है। आपके पेट के खुले चीरे के द्वारा सर्जन को आपके पैल्विक अंगों का एक स्पष्ट दृष्टिकोण मिलता है।

## पेट की हिस्ट्रेक्टोमी के लाभ एवं जोखिम क्या हैं?

पेट में हिस्ट्रेक्टोमी तब भी की जा सकती है, जब अधेशन मौजूद हैं या गर्भाशय बहुत बड़ा है। हालांकि, पेट की हिस्ट्रेक्टोमी के साथ योनि या लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी की तुलना में जटिलताओं के अधिक जोखिम जुड़े होते हैं, जैसे घाव में संक्रमण, रक्तस्राव, रक्त के थक्के, और तंत्रिका और टिश्यू को नुकसान। इसमें योनि या लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी की तुलना में आम तौर पर एक लंबे समय तक अस्पताल में रहना होता है और रिकवरी के लिए लंबे समय की आवश्यकता होती है।

## लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी कैसे की जाती है?

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में आपके पेट में केवल कुछ छोटे (लगभग एक से डेढ़ इंच लंबे) चीरों की आवश्यकता होती है। एक ***लेप्रोस्कोप*** इन चीरों में से किसी एक के माध्यम से डाला जाता है जो सर्जन को पैल्विक अंगों को देखने की अनुमति देता है। अन्य सर्जिकल उपकरणों का अलग छोटे चीरों के माध्यम से सर्जरी करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आपके गर्भाशय को चीरों के माध्यम से छोटे-छोटे टुकड़ों में, आपके पेट में एक बड़े चीरे के माध्यम से, या आपकी योनि के माध्यम से (जिसे एक लेप्रोस्कोपिक योनि हिस्ट्रेक्टोमी कहा जाता है) हटाया जा सकता है ।

रोबोट की मदद से लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी सर्जन द्वारा नियंत्रित एक रोबोट मशीन की मदद से की जाती है। सामान्यतः, रोबोट की मदद से लेप्रोस्कोपी से, रोबोट की सहायता के बिना लेप्रोस्कोपी की तुलना में बेहतर परिणाम के प्रमाण नहीं मिलते।

## लेप्रोस्कोपिक हिस्ट्रेक्टोमी के लाभ एवं जोखिम क्या हैं?

पेट की हिस्ट्रेक्टोमी की तुलना में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में कम दर्द, संक्रमण का कम खतरा, और अस्पताल में रहने की आवश्यकता कम होती है। आप जल्दी ही अपनी सामान्य गतिविधियों में वापसी करने में सक्षम हो सकते हैं। फिर भी लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के साथ कुछ जोखिम भी हैं। इसमें पेट की सर्जरी या योनि की सर्जरी की तुलना में ज्यादा समय लग सकता है, खासकर अगर यह एक रोबोट के साथ किया जाता है तब। इसके अलावा, इस प्रकार की सर्जरी में मूत्र मार्ग और अन्य अंगों में चोट का खतरा बढ़ जाता है।

## क्या हिस्ट्रेक्टोमी सुरक्षित है?

हिस्ट्रेक्टोमी सबसे सुरक्षित सर्जिकल प्रक्रियाओं में से एक है। किसी भी सर्जरी के साथ, हालांकि, निम्न समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं:

- बुखार और संक्रमण
- सर्जरी के दौरान या बाद में भारी रक्तस्राव
- मूत्र मार्ग में या आसपास के अंगों को चोट
- पैर में रक्त के थक्के जो फेफड़ों तक जा सकते हैं
- एनेस्थीसिया से सम्बंधित सांस लेने या हृदय की समस्याएं
- मौत

सर्जरी से संबंधित कुछ समस्याएं कुछ दिन, सप्ताह, या यहां तक कि सर्जरी के वर्षों बाद तक नहीं भी दिख सकती हैं। इन समस्याओं में घाव में खून के थक्के के गठन और आंत्र रुकावट शामिल हैं। उदर हिस्ट्रेक्टोमी के बाद जटिलताएं और अधिक आम हैं।

## क्या सभी महिलाओं में जटिलताओं का खतरा समान है?

नहीं, कुछ महिलाओं को दूसरों की तुलना में जटिलताओं का अधिक खतरा होता है। उदाहरण के लिए, यदि आपके साथ एक अंतर्निहित चिकित्सा परिस्थिति है, तो आपको एनेस्थीसिया से संबंधित समस्याओं का अधिक खतरा हो सकता है।

## क्या मुझे हिस्ट्रेक्टोमी होने के बाद भी अस्पताल में रहना होगा?

आपको सर्जरी के बाद कुछ दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ सकता है। आपके अस्पताल में रहने की लंबाई हिस्ट्रेक्टोमी के प्रकार एवं वह कैसे की गयी थी, उसपर निर्भर करेगी। आपको अपनी सर्जरी के बाद जल्दी चारों ओर चलने की इच्छा होगी। चलने से आपके पैरों में रक्त के थक्के रोकने में मदद मिलेगी। आपको रक्त के थक्के रोकने में मदद करने के लिए दवा या अन्य देखभाल प्राप्त हो सकती है।

## हिस्ट्रेक्टोमी होने के बाद मुझे क्या उम्मीद करनी चाहिए?

आपको सर्जरी के बाद पहले कुछ दिनों के लिए कुछ दर्द हो सकता है। आपको दर्द को दूर करने के लिए दवा दी जाएगी। आपको कई हफ्तों के तक अपनी योनि से रक्तस्राव और निर्वहन होगा। सर्जरी के बाद सेनेटरी पैड इस्तेमाल किया जा सकता है। हिस्ट्रेक्टोमी के बाद दस्त सबसे आम है। कुछ महिलाओं को हिस्ट्रेक्टोमी के बाद मूत्राशय खाली करने में अस्थायी समस्या हो सकती है। अन्य भावुक प्रभाव हो सकते हैं। हिस्ट्रेक्टोमी के बाद एक भावनात्मक प्रतिक्रिया असामान्य नहीं है। आपको उदासी महसूस हो सकती है कि आप अब गर्भधारण करने में सक्षम नहीं हैं, या आपको इस चिंता से मुक्ति महसूस हो सकती है कि आपके पूर्व लक्षण चले गए हैं।

## रिकवरी के बारे में मुझे कौनसी महत्वपूर्ण बातें पता होनी चाहिए?

आपके स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता के निर्देशों का पालन करें। पर्याप्त आराम लें, लेकिन अक्सर आपको चारों ओर चलने की भी आवश्यकता है। छोटे कदम चलें और धीरे-धीरे हर दिन चलने की दूरी बढाएं। आपको तब तक कोई भारी वस्तु नहीं उठानी चाहिए जब तक आपका डॉक्टर यह करने को नहीं कहता। पहले 6 सप्ताह के दौरान अपनी योनि में कुछ भी मत डालें। इसमें डूचिंग, यौन संबंध रखना, और टैम्पोन का उपयोग करना शामिल है।

ठीक होने के बाद भी आपको नियमित गायनेकोलोजिक परीक्षा और सामान्य स्वास्थ्य की देखभाल के लिए अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से मिलना जारी रखना चाहिए। आपको पेल्विक परीक्षा और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की स्क्रीनिंग की ज़रुरत पड़ सकती है, जो आपके हिस्ट्रेक्टोमी के कारण पर निर्भर करेगा।

## शब्दकोष

***अधेशन:*** ज़ख्म जो टिश्यू की सतहों को एक साथ बांधता है।

***सर्विक्स:*** योनि के शीर्ष पर गर्भाशय का निचला संकीर्ण क्षेत्र।

***एन्डोमीत्रियोसिस:*** एक परिस्थिति है जिसमे गर्भाशय के अन्दर के टिश्यू आम तौर पर अंडाशय, फैलोपियन ट्यूब, और अन्य पेल्विक संरचनाओं पर गर्भाशय के बाहर पाये जाते हैं।

***फैलोपियन ट्यूब:*** ट्यूब जिसके माध्यम से एक अंडा अंडाशय से गर्भाशय तक यात्रा करता है।

***फाइब्रॉएड:*** गर्भाशय की मांसपेशियों में सौम्य वृद्धि।

***हार्मोन थेरेपी:*** उपचार जिसमे एस्ट्रोजन, और अक्सर प्रोजेस्टिन हार्मोन का स्तर कम होने की वजह से लक्षणों में राहत देने के लिए दिए जाते हैं।

***हिस्ट्रेक्टोमी:*** गर्भाशय को हटाना।

***लैप्रोस्कोप:*** एक उपकरण जिसे आंतरिक अंगों को देखने के लिए या सर्जरी करने के लिए एक छोटा से चीरे के माध्यम से उदर गुहा में डाला जाता है।

***लैप्रोस्कोपी:*** एक शल्य प्रक्रिया जिसमें लेप्रोस्कोप नामक उपकरण को एक छोटे से चीरे के माध्यम से पेल्विक गुहा में डाला जाता है। लेप्रोस्कोप पैल्विक अंगों देखने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके साथ अन्य उपकरणों का सर्जरी करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

***रजोनिवृत्ति:*** एक स्त्री के जीवन में वह समय जब मासिक धर्म बंद हो जाता है, जिसे 1 वर्ष के लिए मासिक धर्म की अनुपस्थिति के रूप में परिभाषित किया जाता है।

***ऊफोरेक्टोमी:*** एक या दोनों अंडाशय को हटाना।

***ऑस्टियोपोरोसिस:*** एक परिस्थिति जिसमे हड्डियां इतनी कमज़ोर हो जाती है कि वे अधिक आसानी से टूट जाती हैं।

***अंडाशय:*** महिला प्रजनन प्रणाली में जुड़वाँ अंग जिसमे ओवुलेशन में जारी हुए अंडे होते हैं और हार्मोन का उत्पादन होता है।

***सलिपिन्गेक्टोमी:*** एक या दोनों फैलोपियन ट्यूब को हटाना।

***सल्पिंगो-ऊफोरेक्टोमी:*** अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब को हटाना; एक द्विपक्षीय ***सल्पिंगो-ऊफोरेक्टोमी*** में दोनों अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब को हटाया जाता है।

***गर्भाशय प्रोलेप्स:*** एक स्थिति जिसमे गर्भाशय योनि में या उससे नीचे चला जाता है।

***गर्भाशय:*** एक महिला श्रोणि में स्थित अंग जिसमे गर्भावस्था के दौरान भ्रूण का विकास और पोषण होता है।

***योनि:*** गर्भाशय से शरीर के बाहर की ओर मांसपेशियों से घिरी हुई एक ट्यूब की तरह संरचना।

## अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें


वर्ल्ड लेप्रोस्कोपी हॉस्पिटल

साइबर सिटी

गुडगाँव, इंडिया

फ़ोन: +९१९८११४१६८३८, ९८११९१२७६८

ईमेल: contact@laparoscopyhospital.com

वेबसाइट: www.laparoscopyhospital.com